शहरी अवस्थापना

भारतीय अवस्थापना रिपोर्ट, 1996 में अगले दस वर्षों के लिए शहरी जल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था और सड़कों के लिए लगभग 28,035 करोड़ रु0 की वार्षिक निवेश आवश्यकता का अनुमान लगाया गया है । केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग(सीपीएचईईओ) ने वर्ष 2021 तक सुरक्षित जल आपूर्ति और सफाई व्यवस्था सेवाओं के अंतर्गत शहरी आबादी को पूर्णतया शामिल करने हेतु 172,905 करोड़ रु0 की धनराशि की आवश्यकता का अनुमान लगाया है । रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनोमिक सर्विसेस (आर आई टी ई एस) द्वारा लगाये गए अनुमान से यह पता चलता है कि अगले 20 वर्षों के दौरान 100,000 अथवा इससे अधिक जनसंख्या वाले शहरों में शहरी परिवहन अवस्थापना निवेश हेतु अपेक्षित धनराशि 207,000 करोड़ रु0 होगी । स्पष्ट रुप से ,इतनी अधिक मात्रा में धनराशि केन्द्र, राज्य और स्थानीय सरकारों के बजटीय संसाधनों से प्राप्त नहीं की जा सकती है । इसलिए, बाजार से वित्तीय संसाधन प्राप्त करने तथा शहरी विकास कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु निजी क्षेत्र को शामिल करने की बाध्यता उत्पन्न हो गई है ।